माखन चुराके श्याम | By Radhika Gargi

मुझे रोज़ रोज़ ऐसे यूँ सताया ना करो
मेरा माखन चुरा के श्याम खाया ना करो

करके बहाने रोज़ घर मेरे आते हो
खुद भी आ जाते हो और ग्वालों को ले आते हो
ग्वालों संग शोर मचाया ना करो
मेरा माखन चुरा के श्याम खाया ना करो

सास मेरी रोज़ रोज़ मुझको सताती है
देवर संग देवरानी अँखियाँ दिखाती है
ऐसे में तुम माखन लुटाया ना करो
मेरा माखन चुरा के श्याम खाया ना करो

छोड़ दे ये आदत नहीं तो राधे को बतलाऊँगी
मैया पास जाके तुझे डांट लगवाउंगी
प्यारी प्यारी बातों से बहलाया ना करो
मेरा माखन चुरा के श्याम खाया ना करो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%96%e0%a4%a8-%e0%a4%9a%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-radhika-gargi/